प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

किसानों को आलू के पछेती झुलसा रोग के प्रति चेताया वैज्ञानिकों ने

पंतनगर। 07 दिसम्बर 2021। पंतनगर विश्वविद्यालय के पादप रोग वैज्ञानिकों ने किसानों को पुनः आलू के पछेती झुलसा रोग के आने की संभावना के प्रति सचेत किया है। उन्होंने बताया कि अखिल भारतीय समन्वित आलू शोध परियोजना, भारतीय मौसम विभाग एवं पंतनगर विश्वविद्यालय द्वारा आलू के पछेती झुलसा रोग के पूर्वानुमान हेतु विकसित इंडोब्लाइटीकास्ट मॉडल से आगामी कुछ दिनों में पंतनगर एवं निकटवर्ती क्षेत्रों में आलू के पछेती झुलसा रोग के प्रकोप की संभावना व्यक्त की हैं।

उन्होंने बताया कि पछेती झुलसा से बचाव हेतु मैन्कोजेब 72 प्रतिशत घुलनशील चूर्ण का 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। यदि खेत में आलू के पछेती झुलसा रोग के शुरूवाती लक्षण प्रकट हो चुके हैं, उस स्थिति में साइमोक्जेनिल+मैन्कोजेब अथवा डाइमिथोमार्फ+मैन्कोजेब अथवा फैनामिडान+मैन्कोजेब में से किसी एक सम्मिश्रण फंफूदनाशी का 3.0 ग्राम प्रति लीटर की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। रोग की तीव्रता बढ़ने पर ऊपर दिये गये किसी एक सम्मिश्रण फंफूदनाशी का 10 दिन के अन्तराल में पुनः छिड़काव करें लेकिन किसानों से अनुरोध है कि एक सम्मिश्रण फंफूदनाशी का एक बार ही छिड़काव हेतु प्रयोग करें। सम्मिश्रण फंफूदनाशी के छिड़काव उपरान्त रोग की तीव्रता कम होने पर आवश्यकतानुसार प्रथम छिड़काव हेतु संस्तुत किये गये फंफूदनाशी (मैन्कोजेब का 2.5 ग्राम/लीटर) का 10–15 दिनों के अन्तराल में छिड़काव किया जा सकता है।